UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1/Misc./2025/12
Dated: 04.08.2025

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

The syllabi of Semester-I and Semester-II of the Five Year Integrated Programme in Journalism (FYIPJ) based on Undergraduate Curriculum Framework-2022, offered by the Delhi School of Journalism, under the Faculty of Social Science, is notified herewith for the information of all concerned w.e.f academic session 2025-2026 as per **Annexure-1.**

REGISTRAR

Annexure-1

सेमेस्टर – 1

मानव संवाद का ज्ञान व विज्ञान (क्रेडिट -4)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
मानव संवाद का ज्ञान व विज्ञान	**4**	**3**	**0**	**1**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. संवाद की अवधारणा, प्रक्रिया और सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट करना।
2. मानव मस्तिष्क, भाषा और संज्ञान के साथ संवाद के वैज्ञानिक पक्षों की समझ विकसित करना।
3. भारतीय और अभारतीय संवाद परंपराओं के तुलनात्मक विश्लेषण को बढ़ावा देना।
4. डिजिटल युग में संवाद की प्रकृति, नैतिकता और तकनीकी प्रभावों को समझना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. संवाद की परिभाषा, प्रक्रिया, प्रकार और उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे।
2. भारतीय और पश्चिमी संवाद परंपराओं में अंतर और साम्य को पहचान सकेंगे।
3. मानव मस्तिष्क, भाषा और संज्ञान के संदर्भ में संवाद के कार्य-तंत्र को समझ सकेंगे।
4. समकालीन संदर्भों में संवाद की प्रभावशीलता और चुनौतियों को विवेचित कर सकेंगे।

यूनिट 1: संवाद की मूल अवधारणा और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य 10 hours

संवाद की परिभाषा, उद्देश्य और महत्त्व, संवाद के प्रकार: मौखिक, अमौखिक, लिखित, दृष्टिगत, संवाद के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम, भारतीय परंपरा में संवाद: शास्त्रार्थ, लोक संवाद, संवाद और लोकाचार ।

यूनिट **2: संवाद की प्रक्रिया और अवधारणात्मक दृष्टिकोण 10 hours**

संवाद प्रक्रिया के घटक: प्रेषक, संदेश, माध्यम, ग्रहणकर्ता, शोर, प्रतिपुष्टि, संवाद अवरोध: भौतिक, भाषिक, मानसिक, सामाजिक, भारतीय संवाद अवधारणा: मौन, सह-अस्तित्व, सांस्कृतिक सहिष्णुता, अभारतीय संवाद अवधारणा: तर्कपरक, प्रभावकेंद्रित, औपचारिक दृष्टिकोण, तुलनात्मक विवेचना: भारतीय बनाम अभारतीय संवाद प्रतिरूप।

यूनिट 3: संवाद का संज्ञानात्मक आयाम 10 hours

मानव मस्तिष्क, चेतना, तार्किकता और संवाद, भाषा, विचार और संज्ञान का संबंध, सूचना संसाधन, स्मृति, अभिप्रेरणा, निर्णय-निर्माण, संवाद में भावनात्मक और सामाजिक संकेतों की भूमिका, जैव-मानविकी और न्यूरो-संचार की दृष्टि से संवाद।

यूनिट 4: समकालीन संवाद की चुनौतियाँ और संभावनाएँ **15 hours**

डिजिटल संवाद: सोशल मीडिया, इमोजी, मीम संस्कृति, अंतर-सांस्कृतिक संवाद: विविधता, पहचान, टकराव और समाधान, संवाद और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI): चैटबॉट्स, वर्चुअल असिस्टेंट्स, संवाद नैतिकता: गोपनीयता, अभद्रता, सूचना-संतुलन, संवाद कौशल: नेतृत्व, वार्तालाप, प्रस्तुति, समूह संवाद।

Tutorial Component – NIL

Practical Component -

1. भारतीय संवाद परंपरा बनाम आधुनिक संवाद दृष्टिकोण विषय पर प्रस्तुति या निबंध।
2. भारतीय और पश्चिमी संवाद अवधारणाओं की तुलनात्मक समीक्षा पर केस स्टडी।
3. संवेदनशील या तनावपूर्ण परिस्थिति में संवाद का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण पर रिपोर्ट लेखन।
4. डिजिटल युग में संवाद की नैतिकता विषय पर वाद-विवाद या समूह चर्चा।

संदर्भ ग्रंथ:

1. Adler, R. B., & Rodman, G. Understanding Human Communication. Oxford University Press.
2. McLuhan, M. Understanding Media: The Extensions of Man. McGraw-Hill, 1964.
3. Hall, E. T. Beyond Culture. Anchor Books, 1976.
4. Shalya, Yashdev. Bhartiya Samvad Parampara, Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India.
5. Dubey, J. P. Sanchaar Siddhant aur Prakriya, Oriental Publishing House.
6. Geertz, C. The Interpretation of Cultures. Basic Books, 1973.
7. Ting-Toomey, S. Communicating Across Cultures. The Guilford Press, 1999.
8. Rheingold, H. Smart Mobs: The Next Social Revolution. Basic Books, 2002.
9. Tripathi, Vishwanath. Samvad aur Vichar, Rajkamal Prakashan.

पत्रकारिता के विभिन्न स्वरूप (क्रेडिट -4)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता के विभिन्न स्वरूप	**4**	**3**	**0**	**1**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को समझना।
2. पत्रकारिता के विभिन्न रूपों का विश्लेषण करना।
3. पत्रकारिता के सिद्धांतों को विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्मों पर लागू करना।
4. पत्रकारिता पर डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

1. छात्र पत्रकारिता को परिभाषित करने, इसके इतिहास की व्याख्या और पत्रकारिता को निर्देशित करने वाले सिद्धांतों की पहचान करने में सक्षम होंगे।
2. छात्र पत्रकारिता के विभिन्न रूपों की विशेषताओं, ताकत और सीमाओं का वर्णन और तुलना करने में सक्षम होंगे।
3. छात्र विभिन्न मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर पत्रकारिता के सिद्धांतों और प्रथाओं को लागू करने में सक्षम होंगे।
4. छात्र पत्रकारिता पर डिजिटल तकनीक के प्रभाव का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

यूनिट **1 - पत्रकारिता का परिचय** **15 hours**

पत्रकारिता की परिभाषा और विकास, पत्रकारिता के मुख्य सिद्धांत (निष्पक्षता, सटीकता, सच्चाई), पत्रकारिता के प्रकार (खोजी, खेल, नागरिक), लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका, पत्रकारिता में आचार संहिता एवं नैतिकता।

यूनिट 2 - प्रसारण पत्रकारिता **10 hours**

प्रसारण पत्रकारिता का इतिहास और विकास, प्रसारण समाचार लेखन और उत्पादन के सिद्धांत, प्रसारण पत्रकारिता के प्रकार (समाचार, वृत्तचित्र, टॉक शो), प्रसारण पत्रकारिता में एंकर और रिपोर्टर की भूमिका, प्रसारण पत्रकारिता में चुनौतियाँ और अवसर (जैसे, लाइव रिपोर्टिंग, सोशल मीडिया एकीकरण)।

यूनिट 3 -प्रिंट पत्रकारिता **10 hours**

प्रिंट पत्रकारिता का इतिहास और विकास, प्रिंट समाचार लेखन और संपादन के सिद्धांत, प्रिंट पत्रकारिता के प्रकार (समाचार, फीचर, संपादकीय), प्रिंट पत्रकारिता में हेडलाइन, लीड और स्टोरीटेलिंग की भूमिका, प्रिंट पत्रकारिता में चुनौतियाँ और अवसर (पाठकों की घटती संख्या, डिजिटल माध्यम की उपलब्धता)।

यूनिट 4 -डिजिटल एवं विशिष्ट पत्रकारिता **10 hours**

ऑनलाइन पत्रकारिता का इतिहास और विकास, ऑनलाइन समाचार लेखन और उत्पादन के सिद्धांत, ऑनलाइन पत्रकारिता के प्रकार (ब्लॉग, पॉडकास्ट, ऑनलाइन समाचार साइट), खोजी पत्रकारिता: तकनीक, नैतिकता और उदाहरण, पत्रकारिता के अन्य विशिष्ट रूप (नागरिक पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, डेटा पत्रकारिता, इमर्सिव पत्रकारिता)।

Tutorial Component – NIL

Practical Component -

1. पत्रकारिता के तीन अलग-अलग रूपों (जैसे, प्रिंट, प्रसारण, ऑनलाइन) को चुनें और उनकी ताकत और कमजोरियों की तुलना करें, प्रारूपों के बीच अंतर और समानताओं पर चर्चा करते हुए 3000 शब्दों का लेख लिखें।
2. विभिन्न प्रारूपों (प्रिंट, प्रसारण, ऑनलाइन) में समाचार कहानी का विश्लेषण करें, प्रमुख पत्रकारिता तत्वों की पहचान करें और कहानी कहने की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें।
3. किसी वर्तमान घटना या मुद्दे पर ऑनलाइन समाचार लेख या ब्लॉग पोस्ट बनाएँ।
4. किसी पत्रकार (भूतपूर्व या वर्तमान) का शोध करें और उसका प्रोफाइल लिखें, जिसने अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो, पत्रकार के करियर, उल्लेखनीय कार्यों और उद्योग पर उसके प्रभाव का पता लगाएं।

सन्दर्भ ग्रंथः

1. Kumar, Keval J, Mass Communication in India. Jaico, Mumbai.
2. Thakur Prof.(Dr).Kiran, Handbook of Print Journalism, MLC University of Mass Communication & Journalism Bhopal
3. BhargavG.S. ,The Press in India: An Overview, National Book Trust New Delhi
4. "The Gutenberg Revolution: The Story of a Genius and an Invention that Changed the World" by John Man
5. The Elements of Journalism: What Newspeople Should Know and the Public Should Expect" by Bill Kovach and Tom Rosenstiel
6. "Flat Earth News: An Award-Winning Reporter Exposes Falsehood, Distortion, and Propaganda in the Global Media" by Nick Davies
7. Lev Manovich. 2001. “What is Digital Media?” In The Language of Digital Media. Cambridge: MIT Press. pp. 19-48.
8. Siapera, Eugenia. Understanding Digital Media. Sage, 2011. Introduction.
9. Baym, Nancy K. Personal Connections in the Digital Age. Polity, 2010. Chapter 3.

मीडिया में मनोरंजन के विभिन्न स्वरूप (क्रेडिट -4)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
मीडिया में मनोरंजन के विभिन्न स्वरूप	**4**	**3**	**0**	**1**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. पत्रकारिता में मनोरंजन की भूमिका और दर्शकों पर इसके प्रभाव को समझना।
2. पत्रकारिता सामग्री में इस्तेमाल किए जाने वाले मनोरंजन के विभिन्न रूपों का विश्लेषण करना (जैसे, कहानी सुनाना, दृश्य, मल्टीमीडिया)।
3. पत्रकारिता सामग्री में मनोरंजन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना।
4. पत्रकारिता में कहानी सुनाने के लिए रचनात्मक और अभिनव दृष्टिकोण लागू करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

1. छात्र पत्रकारिता सामग्री में मनोरंजन के उपयोग का आलोचनात्मक विश्लेषण और मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे, जिसमें दर्शकों पर इसका प्रभाव और कथात्मक तकनीकों, दृश्यों और मल्टीमीडिया तत्वों की भूमिका शामिल है।
2. छात्र नैतिक निहितार्थों पर विचार करते हुए, कहानी कहने, दृश्य कहानी कहने और मल्टीमीडिया कहानी कहने सहित मनोरंजन के विभिन्न रूपों का उपयोग करके आकर्षक पत्रकारिता सामग्री बनाने में सक्षम होंगे।
3. छात्र पत्रकारिता में मनोरंजन की भूमिका को समझेंगे, जिसमें इसके संभावित लाभ और हानि शामिल हैं, और इस समझ को वास्तविक दुनिया के पत्रकारिता संदर्भों में लागू करने में सक्षम होंगे।
4. छात्र पत्रकारिता में मनोरंजन के उपयोग के लिए नैतिक सिद्धांतों को लागू करने में सक्षम होंगे, सनसनीखेज और शोषण जैसे मुद्दों पर विचार करेंगे, और मनोरंजन पत्रकारिता के लिए जिम्मेदार और प्रभावी दृष्टिकोण प्रस्तावित करेंगे।

यूनिट **1: पत्रकारिता में मनोरंजन का परिचय** **10 hours**

पत्रकारिता में मनोरंजन की परिभाषा और विकास, पत्रकारिता में मनोरंजन की भूमिका (जुड़ाव, अनुनय, शिक्षा), पत्रकारिता में मनोरंजन का उपयोग करने में नैतिकता और विचार , दर्शकों की सहभागिता और धारणा पर मनोरंजन का प्रभाव, मनोरंजन और पत्रकारिता में संतुलन: चुनौतियाँ और अवसर।

यूनिट 2: पत्रकारिता में कहानी सुनाने का महत्व **10 hours**

पत्रकारिता में प्रभावी कहानी सुनाने के सिद्धांत, कहानी सुनाने के प्रकार (कथात्मक, खोजी, इमर्सिव), कथात्मक तकनीकों का उपयोग (चरित्र विकास, कथानक संरचना, गति), जटिल जानकारी को व्यक्त करने में कहानी सुनाने का महत्व, पत्रकारिता में आकर्षक कहानियाँ गढ़ने की तकनीक।

यूनिट 3 : पत्रकारिता में दृश्य मनोरंजन **15 hours**

पत्रकारिता में दृश्यों की भूमिका (फ़ोटोग्राफ़ी, वीडियोग्राफ़ी, ग्राफ़िक्स), दृश्य कहानी कहने के सिद्धांत (रचना, प्रकाश व्यवस्था, संपादन), कहानी कहने और जुड़ाव को बढ़ाने के लिए दृश्यों का उपयोग, दर्शकों की धारणा और स्मृति पर दृश्यों का प्रभाव, पत्रकारिता सामग्री में दृश्यों का उपयोग करने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास।

यूनिट 4: पत्रकारिता में मल्टीमीडिया और मनोरंजन **10 hours**

पत्रकारिता में मल्टीमीडिया तत्वों (ऑडियो, वीडियो, इंटरैक्टिव ग्राफ़िक्स) का उपयोग, मल्टीमीडिया कहानी कहने के सिद्धांत (एकीकरण, गति, उपयोगकर्ता अनुभव), पत्रकारिता में मल्टीमीडिया कहानी कहने के उदाहरण (इंटरैक्टिव वृत्तचित्र, इमर्सिव अनुभव), मल्टीमीडिया पत्रकारिता में नैतिक विचार (सनसनीखेज, हेरफेर, शोषण), मल्टीमीडिया पत्रकारिता में मनोरंजन और नैतिकता को संतुलित करने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास

Tutorial Component – NIL

Practical Component -

1. किसी समाचार लेख या फीचर स्टोरी की वर्णनात्मक तकनीकों का विश्लेषण करें, उसकी संरचना, चरित्र विकास और गति का मूल्यांकन करें, और अपने निष्कर्षों पर चर्चा करते हुए 2-3 पेज का पेपर लिखें।
2. फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी या ग्राफिक्स का उपयोग करके किसी वर्तमान घटना या सामाजिक मुद्दे पर एक दृश्य कहानी बनाएं, और अपने रचनात्मक निर्णयों पर 1-2 पृष्ठ के प्रतिबिंब के साथ इसे प्रस्तुत करें।
3. मल्टीमीडिया कहानी के लिए 2-3 पृष्ठ की पिच विकसित करें, जिसमें कहानी की रूपरेखा, प्रस्तावित मल्टीमीडिया तत्व, संभावित प्लेटफॉर्म और सहभागिता रणनीतियां शामिल हों।
4. नैतिक चिंताओं के साथ एक पत्रकारिता लेख का विश्लेषण करें, पत्रकार के निर्णयों और संभावित परिणामों का मूल्यांकन करें, और 3-4 पृष्ठ के केस स्टडी पेपर में वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तावित करें।

सन्दर्भ ग्रंथः

1. Barnes, S. B. (2011). An introduction to visual communication: From cave art to second
2. life. Peter Lang, International Academic Publishers.
3. Hollis, R. (2001). Graphic design: A concise history.
4. Samara, T. (2020). Design elements: Understanding the rules and knowing when to break them - A visual communication manual (3rd ed.). Rockport Publishers.
5. Convergence Culture– Where Old and New Media Collide: Henry Jenkins, New York University Press, 2008.

6. Cybertext– Perspectives on Ergodic Literature: Espen J. Aarseth, The Johns Hopkins University Press, 1997.
7. Fans, Bloggers, and Gamers– Media Consumers in a Digital Age: Henry Jenkins,
8. New York University Press, 2006.
9. Gatewatching– Collaborative Online News Production: Alex Bruns, Peter Lang, 2005.
10. Mobile Communications– Re-negotiation of the Social Sphere: Rich Ling &
11. Per E. Pedersen, Springer-verlag, 2005.
12. Reporting and Producing for Digital Media: Claudette Guzan Artwick, Blackwell,
13. reprinted in India by Surjeet, 2005.

लेखन अभयास : वस्तुओं का दो भाषाओं में वर्णन (क्रेडिट -2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
लेखन अभयास : वस्तुओं का दो भाषाओं में वर्णन	2	01	0	01	Passed class 12th	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. वर्णनात्मक लेखन कौशल विकसित करना।

2. वास्तविक दुनिया के संदर्भों में भाषा कौशल लागू करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1.छात्र दो भाषाओं में वस्तुओं का सटीक और प्रभावी ढंग से वर्णन करने में सक्षम होंगे।

2.छात्र वर्णनात्मक लेखन और अनुवाद की सांस्कृतिक बारीकियों को समझेंगे।

यूनिट 1: वर्णनात्मक लेखन के मूल सिद्धांत 7 Hours

वर्णनात्मक लेखन का परिचय, [भाषा 1] में वस्तुओं का वर्णन करना, [भाषा 2] में वस्तुओं का वर्णन करना, दोनों भाषाओं में वर्णनात्मक लेखन का तुलनात्मक विश्लेषण, लेखन कार्यशाला।

यूनिट 2: उन्नत वर्णनात्मक लेखन और अनुवाद 8 Hours

उन्नत शब्दावली और व्याकरण, अनुवाद तकनीक, सांस्कृतिक अनुकूलन और संवेदनशीलता, विभिन्न संदर्भों में वस्तुओं का वर्णन करना, अंतिम परियोजना।

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 Hours

1. भाषा 1 में किसी रोज़मर्रा की वस्तु के बारे में वर्णनात्मक पैराग्राफ़ लिखें और उसे भाषा 2 में अनुवाद करें। अनुवाद के दौरान आपके सामने आई चुनौतियों पर विचार करें और अपने विचार के साथ दोनों पैराग्राफ़ सबमिट करें।
2. शब्दावली, व्याकरण और लहज़े की तुलना करते हुए दो भाषाओं में उत्पाद विवरण का विश्लेषण करें। सांस्कृतिक अंतर और बारीकियों पर चर्चा करें और अपने तर्कों का समर्थन करने के लिए उदाहरणों के साथ 2-3 पेज का विश्लेषण पेपर लिखें।

सन्दर्भ ग्रंथः

1. "On Writing: A Memoir of the Craft" by Stephen King

2. "Bird by Bird: Some Instructions on Writing and Life" by Anne Lamott

3. "The Elements of Style" by William Strunk Jr. and E.B. White

4. "The Artist's Way: A Spiritual Path to Higher Creativity" by Julia Cameron

5. "Writing Down the Bones: Freeing the Writer Within" by Natalie Goldberg

लेखन अभयास : दृश्यों का दो भाषाओं में वर्णन (क्रेडिट -2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
लेखन अभयास : दृश्यों का दो भाषाओं में वर्णन	**2**	**0**	**0**	**2**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. दृश्य साक्षरता विकसित करना ।

2. वर्णनात्मक लेखन कौशल में सुधार करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र सांस्कृतिक और भाषाई अंतरों को ध्यान में रखते हुए दो भाषाओं में दृश्यों का विश्लेषण और वर्णन करने में सक्षम होंगे।

2. छात्र दृश्य संचार और अनुवाद में सांस्कृतिक संवेदनशीलता के महत्व को समझेंगे।

Practical Component -

यूनिट 1: दृश्य स्पष्टीकरण के मूल सिद्धांत **30 hours**

दृश्य साक्षरता का परिचय, भाषा 1 में दृश्यों का वर्णन करना, भाषा 2 में दृश्यों का वर्णन करना, दृश्य संचार में सांस्कृतिक अंतर,दृश्य विवरण कार्यशाला।

एक दृश्य (जैसे, छवि, चार्ट, ग्राफ) चुनें और भाषा 1 में इसके बारे में एक वर्णनात्मक पैराग्राफ लिखें। पैराग्राफ को भाषा 2 में अनुवाद करें और अनुवाद के दौरान आपके सामने आई चुनौतियों पर विचार करें।

यूनिट 2: उन्नत दृश्य स्पष्टीकरण और अनुवाद **30 hours**

उन्नत दृश्य विवरण, दृश्य विवरणों का अनुवाद, विभिन्न संदर्भों में दृश्य संचार, दृश्य अनुवाद में चुनौतियाँ, अंतिम परियोजना

अलग-अलग भाषाओं (जैसे, अंग्रेजी और हिंदी) में वर्णन के साथ दो दृश्य चुनें। प्रत्येक भाषा में इस्तेमाल की जाने वाली शब्दावली, व्याकरण और लहजे की तुलना और अंतर करते हुए विवरणों का विश्लेषण करें। सांस्कृतिक अंतर और बारीकियों पर चर्चा करें और अपने तर्कों का समर्थन करने के लिए उदाहरणों के साथ 2-3 पेज का विश्लेषण पत्र लिखें।

Tutorial Component – NIL

सन्दर्भ ग्रंथः

1."The Elements of Style" by William Strunk Jr. and E.B. White

2."The Artist's Way: A Spiritual Path to Higher Creativity" by Julia Cameron

3."Writing Down the Bones: Freeing the Writer Within" by Natalie Goldberg

4. "The Anatomy of Story: 22 Steps to Becoming a Master Storyteller" by John Truby

5. "Big Magic: Creative Living Beyond Fear" by Elizabeth Gilbert

विश्व के सर्वश्रेष्ठ संचारक - मुनि नारद (क्रेडिट -2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
विश्व के सर्वश्रेष्ठ संचारक - मुनि नारद	**2**	**1**	**0**	**1**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. महर्षि नारद के व्यक्तित्व और संचारक रूप का अध्ययन कराना।
2. संवाद, संदेश और संप्रेषण की दृष्टि से नारद की भूमिका का विश्लेषण करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. महर्षि नारद के संवाद कौशल, शैली और उद्देश्य की गहरी समझ प्राप्त करेंगे।
2. आधुनिक मीडिया और संचार में नारदीय सिद्धांतों की उपयुक्तता को पहचान सकेंगे।

यूनिट 1: महर्षि नारद - व्यक्तित्व, संवाद परंपरा और ऐतिहासिकता 8 Hours

नारद का परिचय: वैदिक, पुराणिक और आध्यात्मिक दृष्टि से , नारद की भूमिका: देवता, ऋषि, समाज, राजाओं और असुरों के मध्य संप्रेषक, नारद का संवाद कौशल: सरलता, गति, तटस्थता और प्रभावशीलता, नारद और लोकमंगल संवाद: हितकर संवाद बनाम दुखांत परिणाम, नारद संहिता और नारद भक्ति सूत्र में संप्रेषण तत्व।

यूनिट **2: नारदीय संवाद की विशेषताएँ और आधुनिक संचार में प्रासंगिकता 7 Hours**

नारदीय संवाद की विशेषताएँ: गति, सूचना का संकलन, संवाद की समयबद्धता, नारद के संवाद में नैतिकता और उद्देश्यपरकता, नारद का संवाद और मीडिया नैतिकता में तुल्यता, आधुनिक संचारक में नारदीय गुणों की आवश्यकता (जैसे तथ्यपरकता, निडरता, निष्पक्षता), नारद का संवाद: टकराव का माध्यम या समाधान का उपकरण?

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 Hours

1.नारद के संवादों में नीतिकथाओं और संवाद-शैली का विश्लेषण पर निबंध या प्रस्तुति।

2.आधुनिक पत्रकारिता और नारदीय संवाद शैली का तुलनात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ:

1. Swami Tejomayananda. Narada Bhakti Sutras: Commentary. Mumbai: Central Chinmaya Mission Trust, 2001.

2. Narada Purana. Dialogic Episodes and Teachings. Delhi: Motilal Banarsidass (Classical Sanskrit Series); Hindi Edition: Gorakhpur: Gita Press.

3. Pattanaik, Devdutt. Myth = Mithya: A Handbook of Hindu Mythology. New Delhi: Penguin Books India, 2006. (Includes special chapter on Narada.)

4. Kapoor, Kapil. Language, Linguistics and Literature: The Indian Perspective. Academic Foundation, New Delhi, 1994.

5. Majumdar, R. C. Ancient Indian Communication Systems. Mumbai: Bhartiya Vidya Bhavan, 1960s.

6. Sagar, Ramanand (TV Serial). Narad Purana–Based Dialogic Presentations. Doordarshan / Balaji Telefilms, late 1980s–1990s.

7. Kuthiala, Brij Kishore. Samvad Ka Swaraj. Prabhat Prakashan, New Delhi, 2022.

8. Kuthiala, Brij Kishore. “Samaj Hitaishi Adi Patrakar Narad.” Organiser Weekly, 6 May 2023.

मुनि भरत के नाट्यशास्त्र में मानव संवाद के सिद्धांत (क्रेडिट: 2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
मुनि भरत के नाट्यशास्त्र में मानव संवाद के सिद्धांत	2	1	0	1	Passed class 12th	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः

1. मुनि भरत के नाट्यशास्त्र में वर्णित संवाद के सिद्धांतों की समझ प्रदान करना।

2. भारतीय नाटकीय परंपरा में संवाद की भूमिका और तकनीकी पक्षों को स्पष्ट करना।

पाठ्यक्रम के परिणामः

1. मुनि भरत के संवाद-संबंधी शास्त्रीय सिद्धांतों को मूल रूप में समझ सकेंगे।

2. संवाद, नाट्य, रस और भाव के परस्पर संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम संरचनाः

यूनिट 1: नाट्यशास्त्र में संवाद के शास्त्रीय सिद्धांत 7 Hours

संवाद की परिभाषा, प्रकृति और उद्देश्य (नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से), वाचिक अभिनयः पाठ, स्वर, उच्चारण, ध्वनि और अनुप्रास, संवाद और रस-भाव संप्रेषणः स्थायी, संचारी, व्यभिचारी भाव, पात्र-निर्माण और संवाद की भाषा, संवाद में समय, स्थान और संप्रेषण की यथार्थता

यूनिट 2: **संवाद की रंगमंचीय व्याख्या और समकालीन प्रयोग 8 Hours**

संवाद की रंगमंचीय संरचनाः प्रवेश, प्रतिक्रिया और गति, समकालीन रंगकर्म और भारतीय संवाद शैली, नाट्यशास्त्र के संवाद सिद्धांत और टेलीविजन, नाट्यशास्त्र के संवाद सिद्धांत और सिनेमा, संवाद की भारतीय बनाम पाश्चात्य संरचनात्मक भिन्नता

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 Hours

1. नाट्यशास्त्र के किसी एक रस पर आधारित संवाद दृश्य की रचना और प्रदर्शन।

2. एक पारंपरिक नाटकीय संवाद और एक समकालीन दृश्य संवाद की तुलना।

संदर्भ ग्रंथः

1. Bharata Muni. Nāṭyaśāstra (Chapters 6-8, 19-24), Gita Press, Gorakhpur.

2. Dwivedi, Hazari Prasad. Bhartiya Sahitya ke Nirmata: Bharat Muni, Rajkamal Prakashan, . New Delhi.

3. Nagendra, Dr. Bhartiya Kavyashastra aur Nātyashāstra, Bharatiya Granth Niketan, Delhi.

4. Ghosh, Manomohan (Trans.). The Nāʈyaśāstra: A Treatise on Ancient Indian Dramaturgy (Vol. 1 & II),The Asiatic Society, 1950 & 1961, Calcutta.

5. Vatsyayan, Kapila. Classical Indian Theatre: Theory and Practice, National Book Trust, New Delhi.

6. Vatsyayan, Kapila. Bharata: The Nāʈyaśāstra, Sahitya Akademi, New Delhi.

7. Bharucha, Rustom. Theatre and the World: Performance and the Politics of Culture, Routledge London.

8. Sarkar, Pabitra. Communication in Classical Indian Drama. Shimla: Indian Institute of Advanced Study (IIAS).

9. Kuthiala, Brij Kishore. Preface to Nirmala M. Adhikary, Theory & Practice of Communication - Bharata Muni, Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism & Mass Communication, Bhopal.

सेमेस्टर – 2

पत्रकारिता व लोक विमर्श का निर्माण, (क्रेडिट-4)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता व लोक विमर्श का निर्माण	4	3	0	1	Passed class 12th	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. पत्रकारिता के ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास को समझना।

2. लोक विमर्श के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को पहचानना।

3. पत्रकारिता और जनमत निर्माण की भूमिका का विश्लेषण करना।

4. मीडिया के सामाजिक प्रभाव और विचारधारात्मक पक्ष को समझना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. पत्रकारिता और लोक विमर्श की परिभाषा, विकास और अंतर्संबंध को स्पष्ट कर सकेंगे।

2. ऐतिहासिक संदर्भों में मीडिया की भूमिका का आकलन कर सकेंगे।

3. विचारधाराओं, पहचान की राजनीति, और मीडिया फ्रेमिंग को विश्लेषित कर सकेंगे।

4. भारतीय लोक विमर्श में भाषाई विविधता और वैकल्पिक मीडिया की भूमिका को समझ सकेंगे।

यूनिट 1 : पत्रकारिता और लोक विमर्श की अवधारणा **10 hours**

पत्रकारिता की परिभाषा, कार्य और सामाजिक सरोकार, लोक विमर्श: संकल्पना, ऐतिहासिक विकास और आधुनिक परिप्रेक्ष्य, अखंडमंडलाकार रचना, युर्गेन हबर्मस का 'पब्लिक स्फीयर' सिद्धांत , संवाद, विचारधारा और संचार का समाजशास्त्र

यूनिट **2 : भारतीय पत्रकारिता और सामाजिक चेतना** **10 hours**

औपनिवेशिक काल और राष्ट्रहित की पत्रकारिता, स्वतंत्रता आंदोलन और पत्रकारिता की भूमिका, स्वतंत्र भारत में मीडिया और लोकतंत्र, आपातकाल की पत्रकारिता, आर्थिक उदारवाद और पत्रकारिता , लोक संस्कृति, भाषा और स्थानीय पत्रकारिता का उदय

यूनिट **3 : मीडिया और वैचारिक विमर्श** **10 hours**

मीडिया फ्रेमिंग, एजेंडा सेटिंग और हेजेमनी, मीडिया में जाति, लिंग, धर्म और क्षेत्रीय अस्मिताएँ, मुख्यधारा बनाम वैकल्पिक मीडिया, सत्ता, प्रतिरोध और मीडिया: आलोचनात्मक विमर्श

यूनिट 4 : डिजिटल युग में लोक विमर्श **15 hours**

सोशल मीडिया, डिजिटल सार्वजनिक मंच और ट्रोल संस्कृति, नागरिक पत्रकारिता और लोकतांत्रिक संवाद, सामाजिक आंदोलन और मीडिया: केस स्टडी , मीडिया साक्षरता और उत्तर-सत्य युग में सूचना की राजनीति

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 Hours

1. विद्यार्थियों को भारतीय और पश्चिमी संवाद परंपराओं का तुलनात्मक प्रस्तुति कार्य।

2. भारतीय एवं पश्चिमी संवाद अवधारणाओं की तुलनात्मक समीक्षा पर निबंध या प्रस्तुति।

3. विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर विश्लेषण करें कि सोच व भावना ने संवाद को कैसे प्रभावित करता है।

4. डिजिटल युग में संवाद की नैतिक चुनौतियाँ पर समूह चर्चा, रिपोर्ट बनाना और प्रस्तुति।

सन्दर्भ ग्रंथ:

1. Habermas, Jürgen. The Structural Transformation of the Public Sphere: An Inquiry into a Category of Bourgeois Society. Translated by Thomas Burger. Cambridge, MA: MIT Press, 1989.

2. McQuail, Dennis. Mass Communication Theory: An Introduction. London: Sage Publications.

3. Paranjape, Makarand (Ed.). Public Sphere from Outside the West. London: Bloomsbury Academic, 2015.

4. Chaudhary, Ramsharan. Media Vimarsh aur Loktantra. New Delhi: Vani Prakashan, 2017.

5. Rai, Prabhat. Bhartiya Patrakarita ka Itihas. Allahabad: Kitab Mahal, 2009.

6. Kumar, K. J. Mass Communication in India. Mumbai: Jaico Publishing House

7. Singh, Neeraj Kumar, Samachar aur Vimarsh: Ek Sanskritik Vishleshan. New Delhi: Granth Shilpi Prakashan, 2021.

8. Hall, Stuart. "Encoding/Decoding in Television Discourse." In Culture, Media, Language, edited by Stuart Hall et al., London: Routledge, 1980.

पत्रकारिता का धर्म, नीति व आचारशास्त्र, (क्रेडिट-4)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता का धर्म, नीति व आचारशास्त्र	**4**	**3**	**0**	**1**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. पत्रकारिता के नैतिक सिद्धांतों की ऐतिहासिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि को समझाना।

2. पत्रकारिता धर्म और उत्तरदायित्व के प्रमुख पहलुओं का विश्लेषण करना।

3. प्रेस परिषद, प्रेस कानूनों, और आचार संहिताओं की भूमिका स्पष्ट करना।

4. मीडिया के व्यावसायीकरण, ट्रायल बाय मीडिया, फेक न्यूज़ आदि समकालीन संकटों की पहचान कराना।

पाठ्यक्रम के परिणामः

1. पत्रकारिता के नैतिक सिद्धांतों और व्यवहार में उनके अनुप्रयोग को समझ सकेंगे।

2. भारतीय और वैश्विक संदर्भों में आचार संहिताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

3. समसामयिक मीडिया संकटों में नैतिक पक्षों की पहचान कर सकेंगे।

4. एक उत्तरदायी और नैतिक पत्रकार की भूमिका को आत्मसात कर सकेंगे।

यूनिट 1: पत्रकारिता का नैतिक आधार और धर्म **10 hours**

पत्रकारिता का धर्मः सच्चाई, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व, पत्रकारिता के चार स्तंभः सूचना, विवेचना, आलोचना, सक्रियता, नैतिकता की दर्शन-आधारित अवधारणाएँ: दायित्ववाद, परिणामवाद, सद्गुण नैतिकता, पत्रकार का सामाजिक कर्तव्य बनाम व्यक्तिगत राय

यूनिट 2: **पत्रकारिता में नीति व आचार संहिता** **15 hours**

प्रेस परिषद की आचार संहिता, पत्रकार संगठनों की नैतिक गाइडलाइन (एडिटर गिल्ड, आईएफजे, एनयुजे), स्वतंत्रता बनाम उत्तरदायित्व का द्वंद्व, संवेदनशील रिपोर्टिंग (दुर्घटना, आत्महत्या, यौन हिंसा) में नीति

यूनिट 3: **मीडिया में नैतिक संकट और चुनौती** **10 hours**

व्यावसायीकरण, पेड न्यूज और कॉर्पोरेट नियंत्रण, ट्रायल बाय मीडिया और न्याय प्रक्रिया, फेक न्यूज़, प्रोपेगेंडा और नैतिक पत्रकारिता, टीआरपी संस्कृति बनाम सामाजिक उत्तरदायित्व

यूनिट 4: डिजिटल पत्रकारिता और नैतिक विवेक **10 hours**

सोशल मीडिया पर रिपोर्टिंग के मानदंड, डिजिटल ट्रांसपरेंसी और डेटा गोपनीयता, नागरिक पत्रकारिता और नैतिक जोखिम, न्यू मीडिया के लिए संभावित आचार संहिताएँ

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 Hours

1. अपराध की रिपोर्टिंग हेतु नैतिक आचार संहिता की रूपरेखा तैयार कीजिए।

2. पेड न्यूज़, भ्रामक जानकारी (मिसइन्फ़ॉर्मेशन) एवं फेक न्यूज़ पर आधारित चयनित घटनाओं के उदाहरणों सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

3. डेटा गोपनीयता बनाम जनहित" विषय पर फेसबुक एवं एक्स (पूर्व ट्विटर) से संबंधित केस स्टडी तैयार कीजिए।

4. सोशल मीडिया पर समाचार रिपोर्टिंग के लिए एक व्यवहारिक नैतिक आचार संहिता का प्रारूप तैयार कीजिए।

सन्दर्भ ग्रंथः

1. Kovach, Bill & Rosenstiel, Tom. The Elements of Journalism: What News people should know and the Public Should Expect, Crown Publishing Group, New York.

2. Press Council of India. Norms of Journalistic Conduct. Press Council of India. (presscouncil.nic.in), New Delhi.

3. Black, Jay & Roberts, Chris. Doing Ethics in Journalism: A Handbook with Case Studies, Routledge. Boston.

4. Parthasarathy, Rangaswami. Journalism Ethics and Codes, Authorspress, New Delhi.

5. Allan, Stuart. Journalism: Critical Issues. Maidenhead: Open University Press.

6. Ahuja, B. N. Theory and Practice of Journalism, Surjeet Publications, New Delhi.

7. Day, Louis Alvin. Ethics in Media Communications: Cases and Controversies, Cengage Learning, Boston.

8. Nayar, Usha R. Ethical Journalism in India, Har-Anand Publications, New Delhi.

9. Herman, Edward S. & Chomsky, Noam. Manufacturing Consent: The Political Economy of the Mass Media, Pantheon Books, New York.

10. UNESCO. Journalism, Fake News and Disinformation: A Handbook for Journalism Education and Training, UNESCO Publishing, 2018 [UNESCO.org], Paris.

टेलीविज़न के मनोरंजन की वाहिनियाँ (क्रेडिट -4)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
टेलीविज़न के मनोरंजन की वाहिनियाँ	**4**	**3**	**0**	**1**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. टेलीविजन मनोरंजन चैनलों को समझना।

2. प्रोग्रामिंग रणनीतियों का विश्लेषण करना।

3. सामग्री निर्माण का मूल्यांकन करना।

4. दर्शकों पर प्रभाव का आकलन करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्रों को टेलीविजन मनोरंजन चैनलों और मीडिया उद्योग में उनकी भूमिका के बारे में व्यापक समझ होगी।

2. छात्र टेलीविजन मनोरंजन चैनलों द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रोग्रामिंग रणनीतियों का विश्लेषण और मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।

3. छात्र टेलीविजन मनोरंजन चैनलों के लिए सामग्री बनाने और उत्पादन करने में सक्षम होंगे।

4. छात्र दर्शकों और समाज पर टेलीविजन मनोरंजन चैनलों के प्रभाव का आकलन करने में सक्षम होंगे।

यूनिट 1: टेलीविजन मनोरंजन चैनलों का इतिहास और विकास **10 hours**

टेलीविजन का प्रारंभिक इतिहास, टेलीविजन मनोरंजन चैनलों का विकास, टेलीविजन मनोरंजन चैनलों में वर्तमान रुझान, वैश्वीकरण और टेलीविजन मनोरंजन चैनल, विनियमन और नीति

यूनिट 2: प्रोग्रामिंग रणनीतियाँ **10 hours**

प्रोग्रामिंग शैलियाँ, शेड्यूलिंग और प्रोग्रामिंग, लक्षित दर्शक, ब्रांडिंग और पहचान, सफलता को मापना

यूनिट 3: कंटेंट क्रिएशन **15 hours**

स्क्रिप्ट राइटिंग, प्रोडक्शन, पोस्ट-प्रोडक्शन, टैलेंट और कास्टिंग, कंटेंट डेवलपमेंट

यूनिट 4: टेलीविज़न एंटरटेनमेंट चैनलों का प्रभाव और भविष्य **10 hours**

सामाजिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, आर्थिक प्रभाव, टेलीविज़न एंटरटेनमेंट चैनलों का भविष्य, केस स्टडीज़

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 Hours

1. चुने गए टीवी मनोरंजन चैनल की प्रोग्रामिंग रणनीति का विश्लेषण करें, इसकी ताकत, कमजोरियों और सुधार की संभावनाओं का मूल्यांकन करें।
2. एक टीवी शो के लिए 5-10 पेज की स्क्रिप्ट लिखें जो एक मनोरंजन चैनल पर प्रसारित हो सकता है, जिसमें एक स्पष्ट कथानक, चरित्र और संवाद शामिल हों।
3. एक सफल टीवी मनोरंजन चैनल के इतिहास, प्रोग्रामिंग रणनीति और दर्शकों पर प्रभाव का गहन विश्लेषण करें ताकि सफलता के प्रमुख कारकों की पहचान की जा सके।
4. एक नया टीवी मनोरंजन चैनल लॉन्च करने के लिए एक व्यापक प्रस्ताव विकसित करें, जिसमें अवधारणा, लक्षित दर्शक, प्रोग्रामिंग रणनीति और मार्केटिंग योजना शामिल हो।

सन्दर्भ ग्रंथः

1. Kumar, Keval J, Mass Communication in India. Jaico, Mumbai.

2. Bignell, Jonathan, Jeremy, Orlebar, and Patrica Holland,The Television Handbook, London: Routledge, 2005

3. Millerson, G. H (1993) Effective TV Production. Focal Press

4. Holland, P (1998). The Television Handbook. Routledge

5. Herbert Zettl .Television Production Handbook Ninth edidtion.

6. Moe, H. (2007, March 15). Bergen Open Research Archive: Television, Digitalization and Flow: Questioning the Promises of Viewer Control.

7. Cable Visions: Television Beyond Broadcasting. (2007). United Kingdom: NYU Press.

8. Savorelli, A. (2010). Beyond Sitcom: New Directions in American Television Comedy. United States: McFarland, Incorporated, Publishers.

9. What is Transmedia Storytelling? (2011, December 1). Transmedia Journalism. https://transmediajournalism.org/contexts/what-is-transmediastorytelling/

10. Star Wars and the History of Transmedia Storytelling. (2018). Amsterdam University Press.

लेखन अभ्यास : घटनाओं का दो भाषाओं में वर्णन (क्रेडिट -2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
लेखन अभ्यास : घटनाओं का दो भाषाओं में वर्णन	2	1	0	1	Passed class 12th	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. लेखन कौशल विकसित करना।

2. अनुवाद कौशल में सुधार करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र सांस्कृतिक और भाषाई बारीकियों को ध्यान में रखते हुए दो भाषाओं में घटनाओं का प्रभावी विवरण लिखने में सक्षम होंगे।

2. छात्र मजबूत अनुवाद कौशल विकसित करेंगे, जिससे वे विभिन्न भाषाओं में जटिल विचारों और घटनाओं को संप्रेषित करने में सक्षम होंगे।

यूनिट 1: घटना विवरण के मूल सिद्धांत 7 hours

घटना विवरण का परिचय, भाषा 1 में घटनाओं का वर्णन करना, भाषा 2 में घटनाओं का वर्णन करना, घटना विवरण में सांस्कृतिक बारीकियाँ, शब्दावली निर्माण

यूनिट 2: उन्नत घटना विवरण और अनुवाद 8 hours

उन्नत घटना विवरण, घटना विवरण का अनुवाद, विभिन्न संदर्भों में घटना विवरण, घटना विवरण और अनुवाद में चुनौतियाँ, अंतिम परियोजना

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 hours

1. भाषा 1 में किसी घटना का विवरण लिखें और सांस्कृतिक और भाषाई बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उसे भाषा 2 में अनुवाद करें।

2. अलग-अलग भाषाओं में दो घटना विवरण चुनें और भाषा के उपयोग, संरचना और शैली में अंतर और समानता का विश्लेषण करें। अनुवाद में सांस्कृतिक बारीकियों और चुनौतियों पर चर्चा करें।

सन्दर्भ ग्रंथः

1. "The Elements of Style" by William Strunk Jr. and E.B. White

2. "The Artist's Way: A Spiritual Path to Higher Creativity" by Julia Cameron

3. "Writing Down the Bones: Freeing the Writer Within" by Natalie Goldberg

4. "The Anatomy of Story: 22 Steps to Becoming a Master Storyteller" by John Truby

5. "Big Magic: Creative Living Beyond Fear" by Elizabeth Gilbert

लेखन अभ्यास : घटनाओं का दो भाषाओं में समाचार लेखन (क्रेडिट -2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
लेखन अभ्यास : घटनाओं का दो भाषाओं में समाचार लेखन	**2**	**0**	**0**	**2**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. समाचार लेखन कौशल विकसित करना।

2. अनुवाद कौशल में सुधार करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र सांस्कृतिक और भाषाई बारीकियों को ध्यान में रखते हुए दो भाषाओं में घटनाओं के बारे में प्रभावी समाचार लेख लिखने में सक्षम होंगे।

2. छात्र मजबूत अनुवाद कौशल विकसित करेंगे, जिससे वे जटिल विचारों और घटनाओं को विभिन्न भाषाओं में संप्रेषित करने में सक्षम होंगे।

Practical Component –

यूनिट 1: समाचार लेखन के मूल सिद्धांत 30 hours

समाचार लेखन का परिचय, भाषा 1 में समाचार लेख लिखना, भाषा 2 में समाचार लेख लिखना, शोध और साक्षात्कार तकनीक, समाचार लेखन शैली और लहजा

भाषा 1 में किसी घटना के बारे में समाचार लेख लिखें और सांस्कृतिक और भाषाई बारीकियों को ध्यान में रखते हुए इसे भाषा 2 में अनुवाद करें।

यूनिट 2: उन्नत समाचार लेखन और अनुवाद 30 hours

उन्नत समाचार लेखन, समाचार लेखों का अनुवाद, विभिन्न दर्शकों के लिए समाचार लेखन, समाचार लेखन और अनुवाद में चुनौतियाँ, अंतिम परियोजना

एक ही घटना के बारे में अलग-अलग भाषाओं में दो समाचार लेख चुनें और भाषा के उपयोग, संरचना और शैली में अंतर और समानता का विश्लेषण करें। अनुवाद में सांस्कृतिक बारीकियों और चुनौतियों पर चर्चा करें।

Tutorial Component – NIL

सन्दर्भ ग्रंथः

1. "On Writing: A Memoir of the Craft" by Stephen King

2. "Bird by Bird: Some Instructions on Writing and Life" by Anne Lamott

3. "The Elements of Style" by William Strunk Jr. and E.B. White

4. "The Artist's Way: A Spiritual Path to Higher Creativity" by Julia Cameron

5. "Writing Down the Bones: Freeing the Writer Within" by Natalie Goldberg

भर्तृहरि के वाक्यपदीयं में संचार के सिद्धांत, (क्रेडिट- 2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
भर्तृहरि के वाक्यपदीयं में संचार के सिद्धांत	2	1	0	1	Passed class 12th	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. भर्तृहरि के वाक्यपदीयं ग्रंथ के माध्यम से भारतीय भाषिक-संप्रेषण की दार्शनिक नींव को समझाना।

2. "शब्द", "वाक्य", और "संज्ञा" की अवधारणाओं के माध्यम से संचार की प्रक्रिया का विश्लेषण कराना।

प**ाठ्यक्रम के परिणाम -**

1. वाक्यपदीयं के माध्यम से भारतीय भाषिक-दर्शन और संचार के सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
2. “शब्द-ब्रह्म” और “स्पोट सिद्धांत” की अवधारणाओं को आधुनिक संप्रेषण परिप्रेक्ष्य में जोड़ सकेंगे।

यूनिट **1: वाक्यपदीयं-संचार के भाषिक-दार्शनिक सिद्धांत** **7 hours**

भर्तृहरि का जीवन, काल और दार्शनिक पृष्ठभूमि, वाक्यपदीयं : रचना, संरचना और महत्व, शब्द और वाक्य की अवधारणा, शब्दब्रह्म, स्पोट सिद्धांत और संज्ञान, संप्रेषण में वक्ता, श्रोता और वाक्यार्थ का संबंध

यूनिट **2: वाक्यपदीयं और भारतीय संचार परंपरा की प्रासंगिकता** **8 hours**

भारतीय नाट्य, काव्य और वक्तृत्व में वाक्यपदीय सिद्धांतों की उपस्थिति, संचार, प्रतीक और सांस्कृतिक पाठ की व्याख्या, वाक्यपदीयं बनाम पश्चिमी संचार मॉडल (जैसे शैनन-विवर), आधुनिक मीडिया और संवाद में भारतीय दृष्टिकोण, वाक्यपदीयं की समकालीन उपयोगिता: शिक्षा, विमर्श और संप्रेषण

Tutorial Component – NIL

Practical Component – 30 Hours

1. "शब्दब्रह्म" और "स्पोट सिद्धांत" की संचार प्रक्रिया में भूमिका पर लघु निबंध या प्रेज़ेंटेशन।
2. भारतीय और पश्चिमी संचार सिद्धांतों की तुलनात्मक प्रस्तुति ।
3. प्राचीन लोकनाट्य शैली में संवाद संरचना का लघु मंचन का प्रारूप तैयार कीजिए ।
4. सोशल मीडिया पर लोकसंस्कृति आधारित किसी डिजिटल परियोजना का निर्माण या विश्लेषण कीजिए।

सन्दर्भ ग्रंथ:

1. Bhartṛhari. Vākyapadīya (Brahma-Kāṇḍa & Vākya-Kāṇḍa) with Sanskrit text and Hindi commentary, Chaukhamba Vidya Bhawan, Varanasi.

2. Kak, Subhash. The Nature of Language in Ancient India. In India's Contributions to the West: The Story of Origin of Mathematics, Astronomy and Philosophy in India, Infinity Foundation, New Delhi.

3. Kapil Kapoor. Language, Linguistics and Literature: The Indian Perspective. Academic Foundation, New Delhi.

4. Joshi, S. D. & Bhate, Saroja.The Theory of Sphoṭa: A Study of Bhartṛhari's Philosophy of Language, University of Poona, Centre of Advanced Study in Sanskrit, Pune.

5. Radhakrishnan, S. Indian Philosophy, Volume 2. George Allen & Unwin Ltd, Reprinted by Oxford University Press, London.

6. Ingalls, Daniel H. H. An Introduction to Indian Poetics. Harvard Oriental Series, Harvard University Press, Cambridge.

7. Chattopadhyaya, Debiprasad. Studies in the History of Indian Philosophy. People's Publishing House, New Delhi.

8. Staal, Frits. Universals: Studies in Indian Logic and Linguistics, University of Chicago Press, Chicago.

अष्टाध्यायी में भाषाविज्ञान व संचार के सिद्धांत, (क्रेडिट- 2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
अष्टाध्यायी में भाषाविज्ञान व संचार के सिद्धांत	**2**	**1**	**0**	**1**	**Passed class 12th**	**NIL**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. संस्कृत के महान वैयाकरण पाणिनि द्वारा रचित अष्टाध्यायी के भाषावैज्ञानिक और संचार-सम्बन्धी सिद्धांतों को समझाना।

2. भाषा की संरचना, शब्द निर्माण, ध्वनि और अर्थ के शास्त्रीय सिद्धांतों का विश्लेषण करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम -

1. पाणिनि की अष्टाध्यायी की रचना-प्रणाली और तर्क प्रणाली को समझ सकेंगे।
2. ध्वनि, शब्द, रूप और वाक्य संरचना की शास्त्रीय दृष्टियों को भाषाविज्ञान में विश्लेषित कर सकेंगे।
3. अष्टाध्यायी के सूत्रों के माध्यम से संप्रेषण की प्रक्रिया और संचार माध्यमों की दृष्टि से भाषिक उपयोगिता को समझ सकेंगे।
4. पाश्चात्य भाषाविज्ञान और भारतीय भाषाविज्ञान में अंतर पहचान सकेंगे।

पाठ्यक्रम संरचना:

यूनिट 1: अष्टाध्यायी-संरचना, ध्वनि और भाषिक सिद्धांत 7 hours

पाणिनि का जीवन, कार्य और अष्टाध्यायी का स्वरूप, धातुपाठ, गणपाठ, उपदेश सूत्र, ध्वन्यात्मकता की पद्धति, ध्वनि, वर्ण, प्रत्यय और संधि सिद्धांत, शब्द-संरचना और पद-निर्माण, भाषा का गणितीय और संरचनात्मक दृष्टिकोण

यूनिट 2: अष्टाध्यायी और संचार सिद्धांत 8 hours

वाक्य संरचना और पदवृत्तियाँ: संप्रेषण की दृष्टि से विश्लेषण, भाषा-संप्रेषण में संज्ञा, क्रिया और विभक्ति का योगदान, लक्षणा, व्यंजना, अभिधान – अर्थ संप्रेषण के स्तर, अष्टाध्यायी और आधुनिक संचार मॉडल (पारंपरिक बनाम समकालीन तुलनात्मकता), पाणिनीय व्याकरण की समकालीन भाषाई व संचार विज्ञान में प्रासंगिकता

Tutorial Component – NIL

Practical Component - 30 hours

1. अष्टाध्यायी के किसी एक सूत्र की भाषिक संरचना एवं संप्रेषणीय उपयोगिता का विश्लेषण कीजिए ।
2. पाणिनि और शैनन-विवर संचार मॉडल की तुलनात्मक लेख के रूप में प्रस्तुति कीजिए।

सन्दर्भ ग्रंथ:

1. Pāṇini Aṣṭādhyāyī – Original Sanskrit text with commentaries, Chaukhamba Sanskrit Series Office, various editions, Varanasi.
2. Kātyāyana and Patañjali Mahābhāṣya – Critical edition with Vārtikas and Bhāṣya, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune.
3. Kapil Kapoor, Dimensions of Pāṇinian Grammar: The Indian Grammatical System, D. K. Printworld, New Delhi.
4. George Cardona, Pāṇini: A Survey of Research, Motilal Banarsidass, Delhi.
5. Subhash Kak, Pāṇini and the Information Age. In Computing Science in Ancient India, Infinity Foundation, Delhi.
6. Frits Staal, Rules Without Meaning: Essays on Pāṇinian Grammar, Motilal Banarsidass, New Delhi.
7. Saroja Bhate & S. D. Joshi, Structure and Meaning in Sanskrit Grammar. University of Poona, Centre of Advanced Study in Sanskrit, Pune.
8. Bhartṛhari Vākyapadīya – For comparative study on the sphoṭa theory and grammar, Chaukhamba Sanskrit Series, Varanasi.
9. Debiprasad Chattopadhyaya, History of Science and Technology in Ancient India: The Beginnings. Firma KLM, New Delhi.
10. Sanskrit Commission Reports, Ministry of Education & Culture, Government of India.